

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक

६२९४३ (६६२)

ग्रंथ नाम

हरिचारायण स्तोत्र.

विषय

स्तोत्रे - श्रुपाळ्या.

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ हरिनारायणकमल
 ॥ वल्लभमधुसुदनाके शिवमाधव अनंत अ
 ॥ च्युतप्रद्युम्ना ॥ श्रद्धिष्णा गोपाळानर हरि
 ॥ जनार्दना त्रिविक्रमपुरुषोत्तम विष्णुवाम
 ॥ ना ॥ जयदेव जयदेव जयपरमानंदा कैस
 ॥ निकंदन नंदन नंदन गोविंदा ॥ १ ॥ गरुड
 ॥ जसंकर्षणदेवा हृषिकेशा पुंडरी
 ॥ काक्षा श्रीधर लीलानटवेशा ॥ अ
 ॥ धोक्षजा अनिरुक्षा वैकुण्ठ निवास
 ॥ उमैद्रामोदर मुनिमानसहंसा ॥
 ॥ जयदेव ॥ २ ॥ मुरलीधर वनमा
 ॥ ली गोवर्धन धारी पांडुवन प्रति
 ॥ पालक तं कैठभारि ॥ राधारमण च
 ॥ तुभुज मोहेत व्रजनारी अंबरीषस्त
 ॥ वही शिदरा विधु अवतारी ॥ जगाश
 ॥ वारि जनयना शेषरायना सुरवक
 ॥ रणाय मुना तीर विहा विहाराय दुवं
 ॥ शाभरणा ॥ पंक जना भिगदा धर दु
 ॥ जयभयहर धा कालियमर्दन मुरहार
 ॥ गजेद्रु ध्वरणा ॥ जग ॥ ४ ॥ रातपथ
 ॥ स्तवने स्तवितोत्तक कृशिनः शि
 ॥ मादरा रातवदने वदता अगणि

(2)

॥ त्रुणगरिमा ॥ अवाप्तकामामंगलधामा
॥ घनशामानिःसंगाश्रीरगानिजमूर्तिर
॥ मा ॥ जयदेवणा ॥ १ ॥





मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com